

वैयक्तिक आयकर और अप्रत्यक्ष कर की बढ़ती हसिसेदारी

प्रलिस के लिये:

आय कर, प्रत्यक्ष कर, अप्रत्यक्ष कर, [जीएसटी](#)।

मेन्स के लिये:

भारत में कराधान प्रणाली में सुधार, मुद्दे और चुनौतियाँ, बजट 2023।

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यों?

सामाजिक-आर्थिक नीतियों को लेकर चल रही राजनीतिक बहस और विवादों के बीच, वित्त मंत्रालय द्वारा जारी हालिया **कर डेटा** भारत के कर परदृश्य में महत्वपूर्ण रुझानों पर प्रकाश डालता है।

- रिपोर्ट के अनुसार, वैयक्तिक आयकर और अप्रत्यक्ष करों का संग्रह बढ़ा है, जबकि कॉर्पोरेट करों का संग्रह कम हुआ है।

रिपोर्ट के नष्कर्ष क्या हैं?

■ प्रत्यक्ष कर संग्रहण में वृद्धि:

- भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 2023-24 में **17.7%** बढ़कर **19.58 लाख करोड़ रुपए** तक पहुँच गया।
 - इसे वैयक्तिक आयकर में वृद्धि के लिये ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसकी हसिसेदारी पिछले वर्ष के 50.06% से बढ़कर **53.3%** हो गई है।
- आँकड़ों से यह भी पता चलता है कि वैयक्तिक आयकर और प्रतभूतिलेनदेन कर (**Securities Transaction Tax- STT**) से राजस्व पिछले साल कॉर्पोरेट करों से प्राप्त राजस्व की तुलना में लगभग दोगुनी गति से बढ़ा।
 - प्रतभूतिलेनदेन कर (**STT**) स्टॉक, डेरिवेटिव और इक्विटी-उन्मुख म्यूचुअल फंड जैसी प्रतभूतियों की खरीद तथा बिक्री पर लगाया जाने वाला कर है।
 - इसे भारत में **2004 में वित्त अधिनियम, 2004** के एक भाग के रूप में पेश किया गया था।
 - STT का उद्देश्य सरकार के लिये राजस्व एकत्र करना और प्रत्येक लेनदेन पर एक सूक्ष्म कर जोड़कर सट्टा व्यापार को हतोत्साहित करना है।
 - प्रत्यक्ष कर: प्रत्यक्ष कर वह कर है जिसे कोई व्यक्ति या संगठन सीधे उस इकाई को भुगतान करता है जिसने उसे लगाया है। यह एक "प्रगतशील कर" है क्योंकि जो लोग कम कमाते हैं उन पर कम कर लगाया जाता है और कुछ लोग ठीक इसके विपरीत।
 - प्रत्यक्ष करों के प्रकार :
 - आयकर: यह किसी व्यक्ति या संगठन की आय पर आधारित है।
 - संपत्तिकर: संपत्तिकर का निर्धारण अचल संपत्तियों (भूमि, भवन, आदि) पर किया जाता है।

■ कॉर्पोरेट टैक्स में गिरावट:

- वित्तीय वर्ष 2022-23 के समग्र कर संग्रह में कॉर्पोरेट कर योगदान का भाग 49.6% से घटकर **46.5%** हो गया।
 - कॉर्पोरेट कर का अर्थ, सरकारी संस्थाओं द्वारा कंपनियों द्वारा प्राप्त लाभ पर लगाया गया कर है। ये कर सामान्यतः विभिन्न कटौतियों एवं क्रेडिट के लेखांकन के उपरान्त कंपनी की प्राप्त शुद्ध आय पर आधारित होते हैं।
- कॉर्पोरेट कर का भाग घट रहा है, जबकि व्यक्तिगत आयकर का भाग बढ़ रहा है।
- वित्त वर्ष 2019 के उपरान्त कॉर्पोरेट टैक्स में भारी गिरावट का श्रेय सितंबर 2019 में सत्तारूढ़ सरकार द्वारा प्रारंभ की गई गहन कॉर्पोरेट टैक्स कटौती को दिया जा सकता है।
 - फरवरी 2024 तक, दोनों करों के बीच का अंतर और अधिक बढ़ गया, आयकर एक नया कीर्तमान स्थापित करते हुए सकल कर का 28% था तथा कॉर्पोरेट कर 26% रहा।

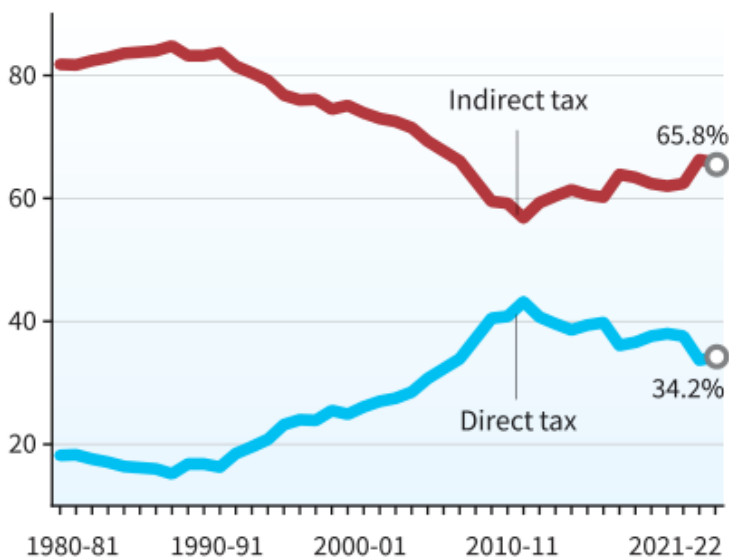
The chart shows corporate tax and personal income tax as a share of gross tax revenue, as of February every year



■ प्रत्यक्ष करों के भाग में कमी तथा अप्रत्यक्ष करों के भाग में वृद्धि:

- अप्रत्यक्ष कर में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और वस्तु एवं सेवा कर सम्मिलित है। इस कर को "प्रतगामी" कर माना जाता है क्योंकि इस कर में सभी उपभोक्ता उनकी आय के स्तर की परवाह किये बिना, समान राशिका भुगतान करते हैं।
- अप्रत्यक्ष करों का भाग जो 1980 के दशक से लगातार गिर रहा था, 2010-11 के बाद से **बढ़ गया** है।
 - अप्रत्यक्ष करों की बढ़ती भागीदारी का तात्पर्य **कम आय वाले व्यक्तियों पर भारी बोझ** से है।
- दूसरी ओर, प्रत्यक्ष करों का भाग, जो 2010-11 तक बढ़ रहा था, उसमें हाल के वर्षों में लगातार गिरावट दर्ज़ की गई है।
- इस प्रकार, नरिधन नागरिकों और मध्यम वर्ग के लोगों पर बढ़ा हुआ कर का बोझ कुल मिलाकर व्यक्तिगत आयकर और अप्रत्यक्ष करों के बढ़ते अनुपात का परिणाम है।

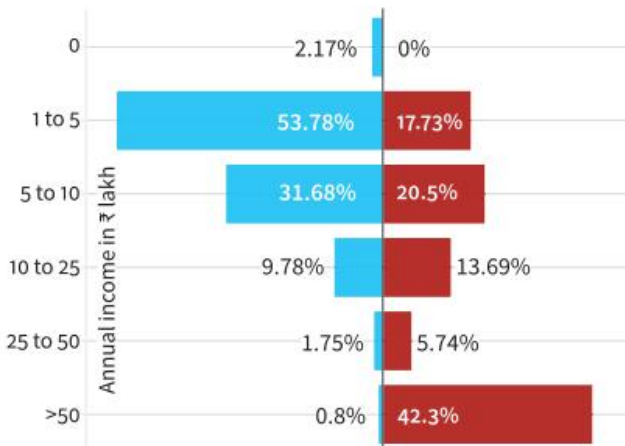
The chart shows the share of direct and indirect taxes in the combined tax revenue receipts of the Centre and the States across years



■ वार्षिक आय बनाम आयकर रटिर्न के मध्य संबंध:

- व्यक्तिगत आयकर देने करने वाले अधिकांश (**53.78%**) व्यक्तियों की वार्षिक आय **1 लाख रुपए से लेकर 5 लाख रुपए** तक है और वे भुगतान किये गए कुल आयकर में **17.73%** का योगदान करते हैं।
- 50 लाख रुपए से अधिक कमाने वाले अमीर व्यक्तियों की संख्या बहुत कम (**0.84%**) है और भुगतान किये गए कुल आयकर में उनका हस्सिा सबसे अधिक (**42.3%**) है।

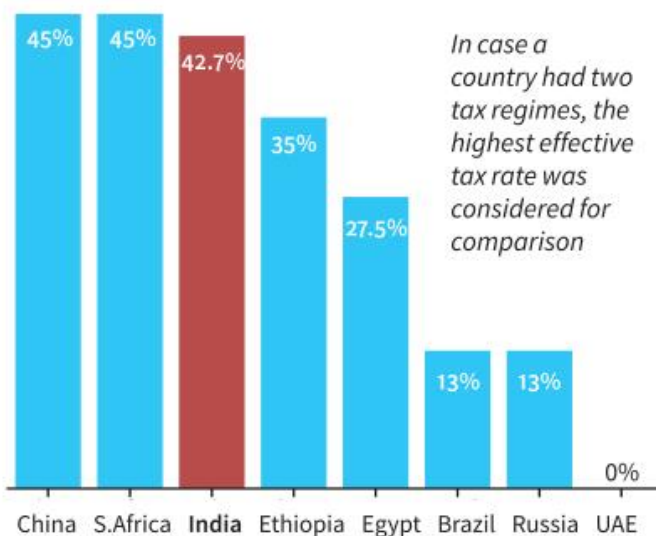
The chart shows the annual income bracket-wise share in total income tax returns filed and the share in total amount of income tax paid



■ प्रभावी व्यक्तिगत आयकर दर:

- **ब्रकिंग्स** अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत की तुलना से पता चलता है कि भारत में व्यक्तिगत आयकर दरें सबसे अधिक प्रभावी हैं।
- **प्रभावी व्यक्तिगत आयकर दर** किसी व्यक्ति की आय का वह प्रतिशत है जो वे कटौती, क्रेडिट, छूट और उनकी कर देयता को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए वास्तव में करों में भुगतान करते हैं।

The chart compares the effective personal income tax rate in India with other BRICS countries which had data



वैयक्तिक आयकर और अप्रत्यक्ष करों की बढ़ती हसिसेदारी, चिंता का विषय क्यों है?

- **आय असमानता:** यदि वैयक्तिक आय कर सरकारी राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, तो यह **निम्न और मध्यम आय** वाले व्यक्तियों पर असंगत रूप से आर्थिक बोझ डाल सकता है, जिससे **आय असमानता** बढ़ सकती है।
 - ऐसा तब हो सकता है जब कर प्रणाली पर्याप्त रूप से प्रगतिशील नहीं है या यदि ऐसी कमियाँ हैं जो अमीरों को अपने उचित हिस्से का भुगतान करने से बचने की अनुमति देती हैं।
- **उपभोक्ता पर बोझ:** अप्रत्यक्ष कर सामान्य तौर पर प्रगतिशील होते हैं क्योंकि वे उच्च आय वाले व्यक्तियों की तुलना में **कम आय वाले व्यक्तियों** की आय का अधिक प्रतिशत लेते हैं।
 - इससे कम आय वाले लोगों पर अत्यधिक बोझ पड़ सकता है, जिससे संभावित रूप से उपभोक्ता खर्च और आर्थिक गतिविधियों में कमी आ सकती है।
- **आर्थिक दक्षता:** उच्च वैयक्तिक आय कर दरें काम, बचत और निवेश को हतोत्साहित कर सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में संसाधनों का कम कुशल आवंटन हो सकता है।

- इसके अतिरिक्त अप्रत्यक्ष करों पर अत्यधिक नरिभरता उपभोक्ता व्यवहार को वकित कर सकती है और बाज़ार में अक्षमताओं को उत्पन्न कर सकती है ।
- **कर चोरी और बचाव:** जैसे-जैसे वैयक्तिक आयकर दरों में वृद्धि होती है, व्यक्तियों को अपनी कर देनदारियों को कम करने के लिये कर चोरी या बचाव रणनीतियों में शामिल होने के लिये अधिक प्रोत्साहन मिलता है ।
 - इससे कर प्रणाली की खंडता कमज़ोर हो सकती है और समग्र सरकारी राजस्व प्रभावित हो सकता है ।
- **व्यापक आर्थिक स्थिरता:** वैयक्तिक आयकर और अप्रत्यक्ष कर राजस्व पर अत्यधिक नरिभरता सरकारी वित्त को आर्थिक मंदी के प्रति संवेदनशील बना सकती है ।
 - मंदी या उच्च बेरोज़गारी की अवधि के दौरान, वैयक्तिक आय कर राजस्व में कमी आ सकती है, जिससे बजट घाटा या आवश्यक सेवाओं में कटौती हो सकती है ।

- **स्वैच्छक आयकर अनुपालन को प्रोत्साहन:**
 - **ववाद से वशिवास योजना:** ववाद से वशिवास योजना के तहत लंबति कर ववादों को नपिटाने के लयि घोषणाएँ दरज़ की जाती हैं ।
 - इससे सरकार को समय पर राजसव उत्पन्न करके और करदाताओं को मुकदमे की बढ़ती लागत में कमी करके लाभ होगा ।
- **डजिटल लेनदेन पर ध्यान देना:** सरकार नकदी-आधारति लेनदेन को हतोत्साहति करने के लयि डजिटल भुगतान को बढ़ावा दे रही है, जनिहें कर उद्देश्यों के लयि ट्रेक करना कठनि है ।
- **व्यक्तगित आयकर हेतु:** वतित अधनियम, 2020 ने व्यक्तियों और सहकारी समतियों को नरिदषिट छूट तथा प्रोत्साहन का लाभ नहीं लेने पर रयिायती दरों पर आयकर का भुगतान करने का वकिल्प प्रदान कयिा है ।
- **जाँच और अनुपालन उपायों में वृद्धि:** कर अधिकारियों ने कर चोरों और गैर-अनुपालन करदाताओं की पहचान करने के लयि कर ऑडिट, सर्वेक्षण एवं डेटा वशि्लेषण सहति जाँच व अनुपालन उपायों को तीवर कर दयिा है ।
- **जागरूकता और शकिषा अभयान:** सरकार कर अनुपालन को बढ़ावा देने और कर चोरी को रोकने के लयि जागरूकता एवं शकिषा अभयान चलाती है ।
 - इन अभयानों का उद्देश्य करदाताओं को उनके अधिकारों एवं ज़मिमेदारियों, गैर-अनुपालन के परणामों और औपचारकि अस्थव्यवस्था में भाग लेने के लाभों के बारे में सूचति करना है ।
- **TDS/TCS के दायरे का वसितार:** कर आधार का वसितार करने के लयि **स्रोत पर कर कटौती (TDS)** और **स्रोत पर कर संग्रह (TCS)** श्रेणियों में कई अतरिकित लेनदेन जोड़े गए ।
 - बड़ी नकद नकिसी, अंतरराष्टरीय धन अंतरण, लक्ज़री कार की खरीद, ई-कॉमर्स भागीदारी, उत्पाद बकिरी, रयिल एस्टेट खरीद आदि इन लेनदेन के कुछ उदाहरण हैं ।
 - **स्रोत पर कर की कटौती (TDS):** करों को स्रोत पर कर की कटौती की जाना चाहयि और उस व्यक्ती (कटौतीकर्त्ता) द्वारा केंद्र सरकार के खाते में जमा कयिा जाना चाहयि, जसि कसिी नरिदषिट उद्देश्य के लयि कसिी अन्य व्यक्ती (कटौतीकर्त्ता) को भुगतान करना आवश्यक है ।
 - **स्रोत पर कर संग्रहण (TCS):** यह एक अतरिकित राशि है जसि वकिरेता द्वारा बकिरी के समय खरीदार से बकिरी राशिके अतरिकित कर के रूप में एकत्र कयिा जाता है और इसे सरकारी खाते में प्रेषति कयिा जाता है ।
- **'पारदरशी कराधान-ईमानदार का समान' पोरटल:** इसका उद्देश्य आयकर परणालयिों में पारदरशति लाना और करदाताओं को सशक्त बनाना है ।

भारत में कर परणाली अनुपालन को कैसे बढ़ावा देती है? भारतीय कराधान परणाली में कुछ हालिया वकिस कया हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. भारत में काले धन के सृजन के नमिनलखिति परभावों में से कौन-सा भारत सरकार की चतिा का परमुख कारण है? (2021)

- संस्थावर संपदा के करय और वलासतायुक्त आवास में नविश के लयि संसाधनों का अपयोजन ।
- अनुत्पादक गतविधियों में नविश और ज़वाहरात, गहने, सोना इत्यादिका करय ।
- राजनीतकि दलों को बड़े चंदे एवं कषेत्रवाद का वक़ास ।
- कर अपवंचन के कारण राजकोष में राजसव की हानि ।

/?/?/?/?/?:

प्रश्न. कर खर्च (Tax Expenditure)का क्या अर्थ है? गृह क्षेत्र का उदहारण लेते हुए वविचना कीजयि कयिह शासन की बजट-संबंधी नीतयिों को कैसे परभावति करता है ? (2013)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rising-share-of-personal-income-tax-and-indirect-tax>

